भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1734
08.12.2021 को उत्तर देने के लिए

भूमि, पशुधन और जोत पर आयोजित सर्वेक्षण

1734. श्री विनोद कुमार सोनकर:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
डॉ. जयंत कुमार राय:
श्री भोला सिंह:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 'परिवारों के पास मौजूद भूमि, पशुधन और जोत तथा कृषक परिवारों की स्थिति के आकलन' पर एक सर्वेक्षण आयोजित किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने सर्वेक्षण में फसल-वार अनुमान प्रस्तुत करने के लिए चुनिन्दा फसलों की पहचान की है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) और (ख): जी हां। दिनांक 01 जनवरी, 2019 से 31 दिसंबर, 2019 की अवधि के दौरान सर्वेक्षण के एनएसएस 77 वें दौर में, राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) ने भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ''परिवारों की भूमि और पशुधन जोत तथा कृषि परिवारों की स्थिति का आकलन'' पर सर्वेक्षण किया जिसका उद्देश्य परिवारों के पशुधन के स्वामित्व और कृषि परिवारों की स्थिति से संबंधित विभिन्न अनुमानों सहित ग्रामीण परिवारों के स्वामित्व और परिचालन जोत संबंधी विभिन्न संकेतक तैयार करना है। सर्वेक्षण के परिणाम का ब्यौरा मंत्रालय की वेबसाइट पर राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण रिपोर्ट (संख्या 587) में उपलब्ध है।

(ग) और (घ): सर्वेक्षण में एकत्रित किए गए डेटा के आधार पर, धान, ज्वार, बाजरा, मकई, अरहर (तुर), मूंगफली, उड़द, श्वेत सरसों/सरसों, मूंग, नारियल, मसूर (दाल), सोयाबीन, रागी, ईख, रुई, गेहूं, आलू, चना और प्याज के अनुमानों के लिए चयनित फसलों कोअभिज्ञात किया गया है। इन चयनित फसलों संबंधी डेटा रिपोर्ट (संख्या 587) में प्रकाशित किया गया है और मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

*****